भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 553
बुधवार, 22 जुलाई, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

जिला-स्तरीय लू पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली

†553. श्री उम्मेदा राम बेनीवाल:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के संवेदनशील क्षेत्रों के लिए जिला-स्तरीय लू पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या राजस्थान के बाड़मेर जिले सहित अत्यधिक गर्मी संबंधी घटनाओं के प्रति संवेदनशील जिलों की पहचान करने के लिए कोई मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या जिला स्तर पर स्थानीय प्राधिकारियों और जनता को लू के पूर्वानुमानों और प्रभाव- आधारित चेतावनियों के प्रसार के लिए कोई तंत्र मौजूद है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) सरकार द्वारा देश में लू की निगरानी, पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लू के लिए जिला स्तर पर दिन में दो बार प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (आईबीएफ) सहित चेतावनी और अलर्ट जारी करता है। इसमें अपेक्षित प्रभाव और लू को कम करने के लिए सुझाए गए कदम शामिल होते हैं, जैसा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशानिर्देशों और हीट एक्शन प्लान में उल्लिखित है। इन जिला स्तरीय प्रभाव-आधारित पूर्वानुमानों और जोखिम-आधारित चेतावनियों को ईमेल, एपीआई, मोबाइल एप्लिकेशन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, वेबसाइट, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया, मास कम्युनिकेशन सिस्टम और कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी)-आधारित प्रसार तंत्र सहित विभिन्न संचार चैनलों के माध्यम से आपदा प्रबंधकों, हितधारकों, मीडिया और आम जनता को प्रसारित किया जाता है।

(ख) जी हां। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भारतीय जोखिम और सुभेद्यता एटलस तैयार किया है, जिसमें लू के जोखिमों के लिए जिला-वार सुभेद्यता आकलन प्रदान किया गया है (https://imdpune.gov.in/hazardatlas/index.html). यह एटलस, राजस्थान के बाड़मेर जिले सहित देश के सभी जिलों को कवर करता है। इस एटलस के अनुसार, बाड़मेर जिले में 0 से 1 के पैमाने पर 0.54 का लू सुभेद्यता सूचकांक है, जो इसे उच्च सुभेद्यता श्रेणी में रखता है।

(ग) भारत मौसम विज्ञान विभाग नियमित रूप से आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, स्वास्थ्य विभागों, श्रम विभागों, भारतीय रेलवे, परिवहन विभाग, वन विभागों आदि सहित विभिन्न हितधारकों के साथ अपनी लू बुलेटिन साझा करता है। इसके अतिरिक्त, भारत मौसम विज्ञान विभाग वेबसाइटों, जन संचार माध्यमों, सोशल मीडिया, व्हाट्सएप ग्रुप, मोबाइल ऐप, एपीआई, कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल आदि के माध्यम से आम जनता तक लू की चेतावनी पहुंचाता है। एक पायलट पहल के रूप में, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने असंगठित कामगारों को उनके संबंधित संघों के माध्यम से सरल, समझने में आसान और कार्रवाई योग्य प्रारूप में प्रभाव-आधारित लू चेतावनियों का प्रसार शुरू किया है। एनडीएमए द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित बैठकें भी आयोजित की जाती हैं, ताकि अग्रिम और जमीनी कार्रवाई के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान का प्रसार किया जा सके। लू से संबंधित अधिकांश उत्पाद वेब-जीआईएस-आधारित प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं और आम जनता के लिए सार्वनजिक तौर पर उपलब्ध हैं। (https://dss.imd.gov.in/dwr_img/GIS/heatwave.html).

(घ) सरकार ने एनडीएमए, राज्य एजेंसियों और स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर भारत मौसम विज्ञान विभाग के माध्यम से लू की निगरानी, पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को काफी सुदृढ़ बनाया है। देश के कई हिस्सों में निवारक उपायों संबंधी अग्रिम चेतावनी और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए देश के कई हिस्सों में हीट एक्शन प्लान कार्यान्वित किए गए हैं। वर्ष 2016 से, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने योजना बनाने में सहायता करने हेतु आम जनता, आपदा प्रबंधकों, और अन्य हितधारकों के लिए तापमान और लू लंबंधी ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान के साथ ही मासिक पूर्वानुमान, विस्तारित-अवधि (साप्ताहिक) पूर्वानुमान, और दिन में दो बार लू बुलेटिन जारी किया जा रहा है।

*****